(9) लाक्ष 33 (2.28) (5A)

भूगर्भीय निरीक्षण आख्या

आर0सी0यू0 45 / सड़क / कुमायूँ / 2012

जनपद चम्पावत में मुख्यमंत्री ग्राम संयोजकता योजना के अन्तर्गत गहतोड़ा से झाड़सिरतोली मोटर मार्ग, प्रस्तावित लम्बाई 3.00 कि0मी0 सड़क संरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

छायाप्रति प्रमाणित
सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0नि0वि0
लोहाघाट (चम्पावत)

मार्च,2012

2·28

55

जनपद चम्पावत में मुख्यमंत्री ग्राम संयोजकता योजना के अन्तर्गत गहतोड़ा से झाड़सिरतोली मोटर मार्ग, प्रस्तावित लम्बाई 3.00 कि0मी0 सड़क संरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. प्रस्तावनाः

निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, लोहाघाट के अधीन गहतोडा से झाडसिरतोली मोटर मार्ग का 3.00 किमी0 की लम्बाई में निर्माण करना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग, लोहाघाट के अनुरोध पर स्थल निरीक्षण दिनांक 16/03/2012 को ई0पी0सी0पन्त, सहायक अभियंता ,ई0 मनोज कुमार ,अपर सहायक अभियंता एवं श्री रामी राम, अमीन की उपस्थिति में अधोहस्ताक्षरी द्वारा किया गया। स्थल का निरीक्षण–स्थल की संरचना,बनावट,भूकम्पीय एवं भूगर्भीय अध्ययन हेतु किया गया ताकि 3.00 किमी0 की लम्बाई में मोटर मार्ग के निर्माण हेतु आवश्यक सुझाव दिये जा सके।

2. स्थितिः

प्रस्तावित सड़क संरेखन धुनाघाट–वमरतोला प्रस्तावित मोटर मार्ग के किमी0 2 हेक्टा 4–6 से प्रारम्भ होता है एवं 3 किमी0 की लम्बाई के पश्चात् पथरकोट में आरक्षित बन क्षेत्र के कम्पाट नम्बर 21 ए में समाप्त हो जाता है। स्थिति के लिए मानचित्र एवं फोटोग्राफ संलग्न हैं।

3. भूगर्भीय स्थितिः

प्रस्तावित सड़क संरेखन, सैन्ट्रल हिमायलन सेक्टर के मध्य हिमालय में कुमायूँ क्षेत्र में स्थित है। स्थल पर अल्मोड़ा क्रिस्टलाइन समूह की चम्पावत ग्रेनोडाइराइट फारमेशन की इल

छायाप्रति प्रमाणित
सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0नि0वि0
लोहाघाट (चम्पावत)

फोलिएटेड ग्रेनाइट नाइस की चट्टानें विद्यमान हैं। प्रस्तावित स्थल के भूभाग में किया गया भूगर्भीय अध्ययन इस प्रकार है।

1. 100–280 पूर्व दक्षिण पूर्व–पश्चिम उत्तर पश्चिम	66^0 उत्तर पूर्व उत्तर	नति
2. 30–210 उत्तर पूर्व–दक्षिण पश्चिम	58^0 दक्षिण पूर्व	नति
3. 130–310 दक्षिण पूर्व–उत्तर पश्चिम	64^0 उत्तर पूर्व	नति
4. 170–350 दक्षिण पूर्व दक्षिण–उत्तर पश्चिम उत्तर	42^0 पूर्व उत्तर पूर्व	नति
5. 180–360 दक्षिण–उत्तर	72^0 पश्चिम	नति
6. 80–260 पूर्व उत्तर पूर्व–पश्चिम दक्षिण पश्चिम	64^0 उत्तर पश्चिम उत्तर	नति
7. 30–210 उत्तर पूर्व–दक्षिण पश्चिम	66^0 उत्तर पश्चिम	ज्वाइन्ट प्लेन
8. 110–290 दक्षिण पूर्व–उत्तर पश्चिम	27^0 दक्षिण पश्चिम	ज्वाइन्ट प्लेन
9. 130–310 दक्षिण पूर्व–उत्तर पश्चिम	90^0 वर्टिकल	ज्वाइन्ट प्लेन
10. 80–260 पूर्व उत्तर पूर्व–पश्चिम दक्षिण पश्चिम	90^0 वर्टिकल	ज्वाइन्ट प्लेन
11 90–270 पूर्व–पश्चिम	68^0 उत्तर	ज्वाइन्ट प्लेन

4. स्थल वर्णन:

प्रस्तावित सड़क सरेखन, प्रस्तावित धूनाघाट–वरमतोला मोटर मार्ग के किमी0 2 के हेक्टा 4–6 पर स्थित प्राइमरी पाठशाला गहतोडा के पास से प्रारम्भ होता है एवं 3 किमी0 की लम्बाई में पथरकोट में स्थित आरक्षित बन क्षेत्र के कम्पाट नम्बर 21 ए0 के बीच में समाप्त हो जाता है। पहाडी ढलान सामान्य श्रेणी के अन्तर्गत है। यह संरेखन 6 सूखे नालों से होकर गुजरता है। पहाडी ढलान उत्तर–पूर्व तथा दक्षिण पश्चिम दिशा की ओर है। यह संरेखन कापडी गांव के भूमिया मंदिर के नीचे की ओर स्थित खेतों से गुजरता है। सेरखन का ग्रेडिएन्ट 0.0–0.075 किमी0 तक 1:24 के फाल, 0.075–1.000 किमी0 तक 1:20 फाल, 1.000–1.175 किमी0 तक 1:24 के फाल, 1.175–1.250 किमी0 तक 1:17 के फाल, 1.250–1.275 किमी0 तक 1:20 के फाल, 1.275–2.475 किमी0 तक 1:24 के फाल तथा 2.475–3.000 मी0 तक 1:20 के फाल में प्रस्तावित है। सड़क संरेखन में 7 हेयर पिन बैण्डस 0.400 किमी0, 1.075 किमी0, 1.275 किमी0, 1.500 किमी0, 1.550 किमी0 2.050 किमी0 तथा 2.200 किमी0 पर प्रस्तावित हैं। संरेखन का अधिकांश भू–भाग आरक्षित वन क्षेत्र से गुजरता है।

5. स्थाईत्व का विचार:

प्रस्तावित सड़क संरेखन के भू–भाग की संरचना, बनावट, भूकम्पीय, भूगर्भीय एवं पर्यावरण परिस्थितिकी के अध्ययन के उपरान्त मोटर मार्ग के स्थाईत्व हेतु निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार करना अति आवश्यक है।

1. यह सड़क संरेखन, मध्य हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र में प्रस्तावित है।
2. यह संरेखन 6 सूखे नालों से होकर गुजरता है।
3. संरेखन में 7 हेयर पिन बैण्डस भी प्रस्तावित हैं।
4. संरेखन का अधिकांश भाग आरक्षित वन क्षेत्र से होकर गुजरता है।
5. भूकम्पीय दृष्टि से प्रस्तावित भू–भाग जोन IV के अन्तर्गत है।
6. पहाडी ढलान सामान्य श्रेणी के पहाड़ी ढलान पर है।
7. संरेखन का ग्रेडिएन्ट 1:24 के फाल, 1:20 के फाल, 1:17 के फाल में प्रस्तावित है।
8. पहाड़ी ढलान सामान्य श्रेणी के अन्तर्गत है।

छायाप्रति प्रमाणित
सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0नि0वि0
लोहाघाट (चम्पावत)

6. सुझावः–

प्रस्तावित सड़क संरेखन के भू–भाग की संरचना, बनावट, भूकम्पीय, भूगर्भीय एवं पर्यावरण परिस्थितिकी के अध्ययन के उपरान्त मोटर मार्ग के निर्माण हेतु निम्नलिखित सुझाव दिये जाते हैं।

1. सूखे नालों पर स्कपर्स एवं काजवे का निर्माण किया जाए।
2. पहाड़ी की ओर नालियों का निर्माण किया जाय।
3. भूकम्पीय मानकों के अनुरूप कार्य किये जाय।
4. हेयर पिन बैण्डों को मानकों के अनुरूप बनाया जाय।
5. आवश्यकतानुसार ब्रेस्ट वॉल का निर्माण एवं रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जाय।
6. पर्वतीय क्षेत्र में बनने वाले मोटर मार्गों के लिए निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के विशिष्ट मानकों एवं विशिष्टियों का अनुपालन किया जाए।

7. निष्कर्षः–

उपरोक्त वर्णित बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए गहतोड़ा–झाड सिरतोली मोटर मार्ग का 3 कि0मी0 की लम्बाई में निर्माण करना उपयुक्त प्रतीत होता है।

टिप्पणीः स्थल निरीक्षण के समय उपस्थित अधिकारियों के समक्ष विस्तृत विचार विमर्श किया गया। दूसरे संरेखन का भी अध्ययन किया गया जो गहतोड़ा से उत्तरी ढलान से प्रस्तावित है में हेयर पिन बैण्डस की अधिकता के कारण उपयुक्त नहीं पाया गया।

(डा0 आर0 सी0 उपाध्याय)

(डॉ. आर. सी. उपाध्याय)
भू-वैज्ञानिक

आर0क्यू0पी0 / डी0डी0एन0 / 147 / 2002–ए0

हिमाद्री-भ्यू, रानीधारा टाप
अल्मोड़ा 263601 (उत्तराखण्ड)

छायाप्रति प्रमाणित
सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0नि0वि0
लोहाघाट (चम्पावत)

2.28

58

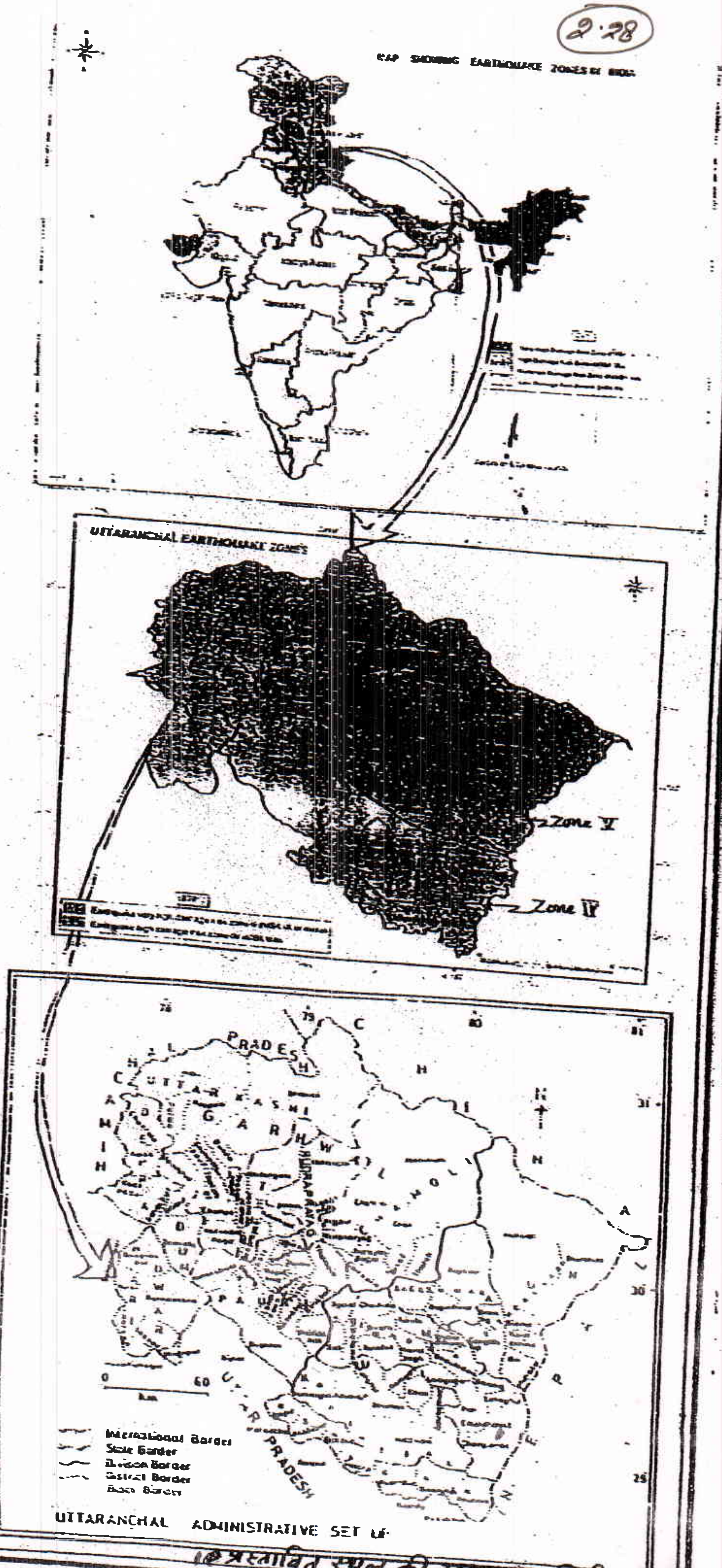

(e) प्रस्तावित स्थल की अनुमानतः स्थिति।